संपादकीय

भारत-पाकिस्तान रिश्ते

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने लोकसभा चुनाव में दूसरी बार भारी जीत हासिल करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी और उम्मीद जताई कि भारत-पाक संवाद की प्रक्रिया जल्द ही दोबारा शुरू होगी। इमरान ने लोकसभा चुनाव के दौरान भी कहा था कि नरेंद्र मोदी के दोबारा प्रधानमंत्री बनने पर भारत-पाक रिश्तों में सुधार संभव है। अब देखना है कि नई सरकार का इस मामले में क्या रुख होता है। दोनों मुल्कों के बीच बातचीत वक्त की जरूरत है, लेकिन इस मामले में कुछ चीजें शुरू में ही साफ हो जानी चाहिए, ताकि पुरानी गलतियों से बचा जा सके। दरअसल भारत-पाक संबंधों में काफी समय से एक या दूसरी तरह का अतिरेक देखा जा रहा है। जब भी रिश्ते सामान्य होने शुरू होते हैं, दोनों तरफ कुछ ज्यादा ही अपेक्षाएं देखने को मिलती हैं। व्यापारिक, सांस्कृतिक, ऐकडेमिक, फिल्मी, हर तरह का आदान-प्रदान शुरू हो जाता है। ट्रैक-टू डिप्लोमेसी मुख्यधारा के राजनय पर हावी हो जाती है। राजनेता भी अपनापन दिखाने के नए-नए तरीके ढूंढने लगते हैं। लगता है, एक झटके में सारी दीवारें गिर जाएंगी और रातोंरात एक नया इतिहास बन जाएगा। लेकिन इस प्रक्रिया का ऐंटी-क्लाइमेक्स कभी पाकिस्तानी फौज की किसी खुली या गुप्त हरकत या फिर एक भीषण आतंकवादी घटना के रूप में सामने आता है और एक ही झटके में सारी कोशिशों पर पानी फिर जाता है। देखते-देखते दोनों देश एक-दूसरे के खून के प्यासे हो जाते हैं। याद करें तो जनरल जिया उल हक के दौर में- जब दोनों देशों के बीच न बहुत गर्मजोशी थी न बहुत तनाव- हमारा रिश्ता ज्यादा संतुलित था। हालात बिगड़ने पर बातचीत से मामला संभल जाता था, क्योंकि दोनों की एक-दूसरे से अपेक्षाएं बहुत कम थीं। आज फिर हमें अपने रिश्तों को व्यावहारिक धरातल पर ही देखना चाहिए। बातचीत शुरू करें, लेकिन यह आशा छोड़कर कि इससे आतंकवाद की समस्या हल हो जाएगी या कश्मीर की गुत्थी सुलझ जाएगी। छोटे लक्ष्य रखे जाएं। जैसे वार्ता से फिलहाल सीमा पर तनाव कम हो सकता है और सरहद पर रहने वाले दोनों तरफ के लोगों का रोजमर्रा का जीवन सामान्य हो सकता है। फिर स्थानीय स्तर पर थोड़ा-बहुत कारोबार शुरू हो जाए तो माहौल सुधारने के लिए यह भी कम नहीं है। सहोदर भाई का आदर्श अगर हमसे नहीं सध पा रहा तो शांतिपूर्ण पड़ोसी की तरह रहने की कोशिश क्यों न करें? चीन के साथ हम दशकों से ऐसे ही रहते आ रहे हैं। उसके साथ सीमा विवाद आज भी 1962 के युद्ध वाले मुकाम पर ही टिका है। लेकिन हमने इस झगड़े को पिटारे में बंद करके आपसी कारोबार को बढ़ावा दिया। नतीजा यह कि चीन आज हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है। चीनी नेता तंग श्याओफिंग ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी से कहा था कि टकरावों का समाधान हमें अगली पीढ़ियों पर छोड़ देना चाहिए। यह कहानी भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में भी क्यों नहीं दोहराई जा सकती?

एशिया के पांच टॉप औद्योगिक शहरों में गुरुग्राम और बेंगलुरु

नई दिल्ली (आरएनएस)। सिलिकॉन वैली के समान स्तर के मुख्य शहर या क्लस्टर की अनुपस्थिति के बावजूद टेक कंपनियों के द्वारा एपीएसी क्षेत्र में कार्यालय स्थलों की मांग बढ़ रही है। भारत के गुरुग्राम और बेंगलुरु एशिया पसिफिक के शीर्ष पांच शहरों में हैं। यह आंकड़ा भारत की अग्रणी रियल एस्टेट कन्सल्टिंग फर्म सीबीआरई साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी रिपोर्ट में पेश किया है।

सीबीआरई के भारत, दक्षिण-पूर्वी एशिया, मध्यपूर्व और अफ्रीका के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुमन मैगजीन ने कहा, 'दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में बड़ी संख्या में मौजूद आईटी प्रतिभा तथा बेहतर इन्क्यूबेटर और एक्सेलरेटर प्रोग्रामों के चलते नए विचारों को प्रोत्साहन मिला है। एशिया पसिफिक में 84 लाख उम्मीदवार हैं जो स्टैम में ग्रेजुएट हैं, इनमें से 30 फीसदी भारत में हैं, जो कि एक बड़ी संख्या है।'

रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के अग्रणी टेक हब सिलिकॉन वैली का वातावरण टेक्नॉलजी सेक्टर के विकास के लिए अनुकूल है। अग्रणी टेक्नॉलजी शहर जैसे बीजिंग, बैंगलोर, शंघाई, सिंगापुर और गुड़गांव एक गतिशील प्रणाली का निर्माण कर रहे हैं और तकनीक के द्वारा सेक्टर के विकास के प्रोत्साहित कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंगलोर इस दृष्टि से भारत में सबसे अग्रणी है। भारत की स्टार्ट-अप राजधानी कहे जाने वाले बेंगलुरु में देश के 30 फीसदी स्टार्ट-अप हैं जो भारत में प्रौद्योगिकी सेक्टर के विकास में उल्लेखनीय योगदान देते हैं।

इसी तरह 'मिलेनियल सिटी' कहलाने वाले शहर गुड़गांव में कुछ सबसे बड़े विश्वस्तरीय एवं घरेलू उद्यम हैं। देश की राजधानी तथा अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नजदीक होने के कारण यह क्षेत्र अधिकतर सॉफ्टवेयर पेशेवरों के लिए सुलभ है। एशिया-पसिफिक में स्थित टैक कंपनियां तेजी से बढ़ हो रही हैं।

2018 में एशिया पसिफिक कंपनियों ने दुनिया की टॉप सीबीआरई ने एशिया पेसिफिक के 15 बाजारों में कारोबार की स्थितियों, इनोवेशन्स, लागत एवं उपलब्धता का मूल्यांकन किया है। कारोबार का वातावरण, आधुनिक वातावरण, लागत और उपलब्धता आदि कारण हैं जिनके कारण ज्यादातर कंपनियां इन शहरों की ओर आकर्षित हो रही हैं। टेक्नॉलजी और रेंटल कीमतें, मुनाफे में विविधता, तकनीक के साथ बढ़ते स्थाई लीजिंग वॉल्युम आदि मानकों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। सीबीआरई ने यह अध्ययन इसी वर्ष जनवरी और मार्च के बीच किया गया।

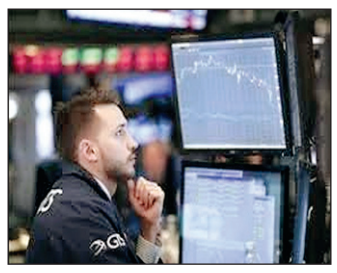

व्यापार युद्ध गहराने के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ वॉल स्ट्रीट

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव गहरा होने का असर अमेरिकी शेयर बाजार पर देखने को मिला और बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, मंगलवार को डाव जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 237.92 अंकों यानी 0.93 फीसदी की गिरावट के साथ 25,347.77 पर रहा।

एसएंडपी 500 सूचकांक 23.67 अंकों यानी 0.84 फीसदी की कमजोरी के साथ 2,802.39 पर और नैस्डैक कंपोजिट सूचकांक 29.66 अंकों यानी 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 7,607.35 पर रहा। माइक्रोन टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा, जिसके शेयरों में 3.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

नंबर-4 पर राहुल का शतक सकारात्मक : कोहली

कार्डिफ (आरएनएस)। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने बांग्लोदश के खिलाफ शतकीय पारी खेलने के लिए लोकेश राहुल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका फॉर्म भारत के लिए सकारात्मक संकेत है। इंग्लैंड एंड वेल्स में 30 मई में शुरू होने वाले विश्व कप का पहला मैच भारत पांच जून को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगा। बांग्लादेश के खिलाफ मंगलवार को यहां हुए अभ्यास मैच में राहुल ने 99 गेंदों पर 108 रनों की पारी खेली जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल थे।

क्रिकइंफो ने कोहली के हवाले से बताया, इस मैच में सबसे सकारात्मक चीज राहुल का नंबर-4 पर बल्लेबाजी करना रहा। अन्य सभी खिलाड़ी अपनी भूमिका को समझते हैं इसलिए राहुल का रन बनाना बहुत अहम है क्योंकि वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। वह स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ा सकते हैं और आपने यह देखा - यह उनके स्किल का बेहतरीन उदाहरण है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह विश्व कप में नंबर-4 पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं, राहुल ने कहा, यह एक टीम गेम है और आपको जहां बोला जाए वहां बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। एक खिलाड़ी के रूप में आपको जो रोल दिया जाए उसे निभाने के लिए तैयार रहना होगा। राहुल ने कहा, इस स्तर पर खेलने वाला हर बल्लेबाज जानता है कि दबाव पर कैसे काबू पाना है और उसे दी गई जिम्मेदारियों को कैसे संभालना है।

कोपा अमेरिका से पहले चोटिल हुए नेमार

रियो डी जनेरियो(आरएनएस)। नेमार को कोपा अमेरिका टूर्नामेंट से पहले यहां ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के कैम्प के दौरान घुटने में चोट लग गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 27 वर्षीय नेमार मंगलवार को यहां से 100 किलोमीटर दूर टेरेसपोलिस स्थित ग्रांजा कोमेरी ट्रेनिंग पिच पर प्रशिक्षण के दौरान चाटिल हुए।

टेलिविजन फुटेज में देखा गया कि फ्रेंच क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से खेलने वाले नेमार के बाएं पैर के घुटने में चोट लगी और उन्हें मेडिकल सहायता की जरूरत पड़ी।

विश्वकप से ठीक पहले भारत को राहत, नेट प्रैक्टिस में लौटे विजय शंकर

लंदन (आरएनएस)। बंगलादेश के खिलाफ दूसरे अभ्यास मैच से पूर्व भारतीय ऑलराउंडर विजय शंकर नेट अभ्यास के लिए मैदान पर लौट आए और बल्लेबाज़ी की जो विश्वकप से ठीक पहले उनकी फिटनेस को लेकर सकारात्मक संकेत है।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शंकर के नेट पर अभ्यास करते हुये एक वीडियो भी साझा किया है।

बीसीसीआई ने आधिकारिक ट्विटर पर कहा, द ओवल में शंकर के हाथ में चोट लग गयी थी, लेकिन हम विजय शंकर को नेट पर देखकर बहुत खुश हैं। इससे पहले विजय को शुक्रवार को पहले अभ्यास सत्र के दौरान मध्यम तेज़ गेंदबाज़ खलील अहमद की गेंद पर चोट लग गयी थी।

एहतियातन शंकर को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले अभ्यास सत्र के दौरान टीम में नहीं उतारा गया था, जिस मैच में भारत को छह विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। भारत आईसीसी विश्वकप में 5 जून को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभियान की शुरूआत करेगा।

अमेरिका की मुद्रा निगरानी सूची से बाहर हुआ भारत

वॉशिंगटन (आरएनएस)। सरकार के कुछ कदमों की वजह से ट्रंप प्रशासन ने भारत को अपनी करंसी मॉनिटरिंग लिस्ट से बाहर कर दिया है। इस लिस्ट में कई बड़े व्यापारिक सहयोगी शामिल होते हैं। इसके अलावा स्विटजरलैंड को भी इस लिस्ट से हटाया गया है। इस सूची में चीन, जापान, साउथ कोरिया, जर्मनी, इटली, आयरलैंड, सिंगापुर, मलेशिया और वियतनाम शामिल हैं। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने कहा है कि भारत सरकार के कुछ कदमों से मौद्रिक नीति को लेकर उसकी आशंकाएं दूर हो गई हैं।

अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, भारत को सूची से इसलिए बाहर किया गया है क्योंकि तीन क्राइटीरिया में से यह केवल एक में ही यह प्रतिकूल है। वह क्राइटीरिया है अमेरिका के साथ बायलैटरल सरप्लस। 2017 में विदेशी मुद्रा भंडार की खरीद के बाद 2018 में सरकार ने लगातार रिजर्व बेचे। इससे विदेशी मुद्रा भंडार की कुल बिक्री जीडीपी की 1.7 फीसदी पर पहुंच गई। इसमें कहा गया है कि भारत के पास आईएमएफ मेट्रिक के हिसाब से पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत और स्विटजरलैंड दोनों देशों के विदेशी मुद्रा क्रय में 2018 में गिरावट दर्ज की गई थी। ट्रेजरी रिपोर्ट के 40 पेज में कहा गया है, स्विटजरलैंड और भारत दोनों ही को एकतरफा दखल देने का जिम्मेदार नहीं पाया गया है। इसीलिए इन दोनों देशों को निगरानी सूची से बाहर किया जाता है।

बता दें कि भारत को पहली बार मई 2018 में यूएस ने करंसी मॉनिटरिंग लिस्ट में शामिल किया था। इसके साथ ही चीन,जर्मनी, जापान, साउथ कोरिया और स्विट्जरलैंड को भी शामिल किया गया था। दूसरी रिपोर्ट में ट्रेजरी ने कहा है कि भारत ने सुधार किया है और अगली रिपोर्ट में करंसी मैनिपुलेशन लिस्ट से इसका नाम हटा दिया जाएगा।

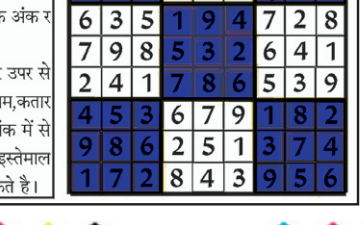

वर्ष 2018 के पहले छह महीने में रिजर्व बैंक द्वारा की गई शुद्ध बिक्री से जून 2018 तक की चार तिमाहियों में विदेशी मुद्रा की शुद्ध खरीद कम होकर 4 अरब डॉलर यानी सकल घरेलू उत्पाद के महज 0.2 प्रतिशत पर आ गई। हालांकि अमेरिका ने चीन को इस बार भी सूची में बनाए रखा है, लेकिन उसे मुद्रा के साथ छेड़छाड़ करने वाला देश घोषित करने से इस बार भी इनकार किया है।

आज का राशिफल

मेषः- आज खर्च की अधिकता रहेगी। कार्यक्षेत्र में वाद-विवाद के कारण तनाव हो सकता है, अतः- वाणी पर नियंत्रण रखना अति आवश्यक है।

वृषभः- आज विशेष उन्नतिकारक दिन है। आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। दिन आनंद और उल्लास में बीतेगा।

मिथुनः- कल जो आपका कार्य नहीं बना, वह आज बनने की संभावना है। कार्य की व्यस्तता बनी रहेगी, कार्यक्षेत्र में लाभ के योग हैं। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

कर्कः- यात्रा का योग है। भाग्य का साथ, उन्नतिकारक दिन होगा। बिगड़े कार्य बनने लगेंगे, आपकी धार्मिक प्रवृत्ति बढ़ेगी, समाज में मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंहः- आज अपनी प्रिय वस्तुओं जैसे मोबाइल, गहना या फिर जरूरी कागज आदि का ध्यान रखें, लापरवाही के कारण कोई चीज गुम हो सकती है। गुप्त शत्रु आज हानि पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं।

कन्याः- प्रिय व्यक्ति से मुलाकात होने के कारण मन प्रसन्न रहेगा। नया कार्य, रोजगार आदि शुरू करने की सोच रहे हैं तो अवश्य करें, सफलता अवश्य मिलेगी। भाई-बंधुओं के साथ समय आनंदपूर्वक बीतेगा।

तुलाः- आप का दिन शुभफलदायी है। आर्थिक विषयों पर व्यवस्थित योजना बना सकेंगे। प्रियपात्रों के साथ आनंदपूर्वक समय बीतेगा। आभूषण, आमोद-प्रमोद के साधन एवं मनोरंजन के पीछे धन खर्च हो सकता है।

वृश्चिकः- आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण लाभ ले सकेंगे और नई योजनाएं लाभ देंगी। मनोरंजन कार्य पर खर्च होगा। प्रेम प्रसंग में सफलता होगी।

धनुः- क्रोध पर नियंत्रण रखें, अनावश्यक वाद-विवाद से बचें। मन आज बेचैन हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें। धर्म का काम करने में खर्च हो सकता है।

मकरः- आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी, मनोबल बढ़ेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि का योग है। भरोसेमंद व्यक्ति से लाभ आज अवश्य लें।

कुंभः- आज अचानक धनागमन हो सकता है। धन निवेश भी कर सकते हैं। शेयर आदि में धन का निवेश आज लाभदायक रहेगा।

मीनः- आज प्रयास अथवा स्वयं कोशिश करने से प्रत्येक कार्य में सफलता मिलेगी। धार्मिक स्थल की यात्रा, मनोरंजन कार्यों पर खर्च होगा।

लेमन क्यूकम्बर मॉकटेल बनने का विधि...

गर्मियों में तरोताजा रहने के लिए बॉडी को हाइड्रेट रखना बहुत ही जरूरी है। इसके लिए जरूरी नहीं आप लगातार पानी ही पिएं बल्कि फलों के जूस, मॉकटेल और डिटॉक्स ड्रिंक्स से भी बेहतर रहेंग

सामग्री :

खीरा- 4, नींबू का रस-1 टीस्पून, भूना जीरा पाउडर- आधा टीस्पून, पुदीना का पत्ता-1 टेबलस्पून (बारीक कटा), काला नमक- स्वादानुसार, सोडा-जरूरत के अनुसार

विधि :

सबसे पहले खीरे को छीलकर धो लें और उसे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इसे मिक्सर में बिना पानी डाले पीसकर पेस्ट बना लें। इसके बाद इसे किसी मोटी छन्नी से छान लें। फिर इसे जग में निकालें और इसमें नींबू का रस, पुदीने के पत्ते, काला नमक, भुने जीरे का पाउडर डालकर अच्छे से मिक्स करें। फिर इसे चार सर्विंग गिलास में निकालें और ऊपर से सोडा डालकर मिक्स कर दें और तुरंत सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 79

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

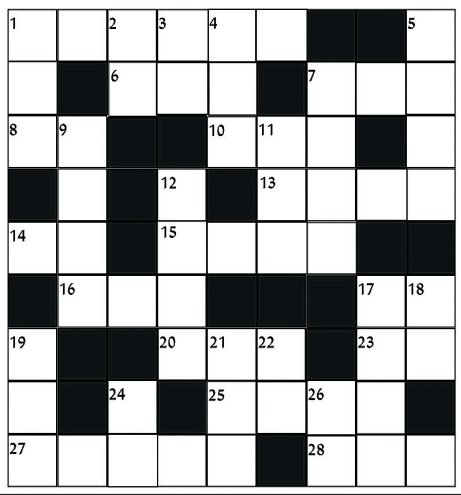

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 78 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सू-दोकू- 79

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.78 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6